सत्यमेव जयते
Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
7629	04.08.2023	09.08.2023	Patna Bihar	www.inextlive.com /Hindi https://www.inextlive.com/bihar/patna/chicken-pox-to-children-and-herpes-to-elders-1691091474
Title:	**Chicken pox to children and herpes to elders in Patna, Bihar**			
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to DSU – Patna, SSU- Bihar			

पीएमसीएच के चर्म रोग विभाग में आजकल रोगियों की लंबी कतार लग रही है। इनमें से 50 प्रतिशत लोग मौसम जनित फंगल इंफेक्शन जैसे दिनाय, बालों का झडऩा, बैक्टीरियल इंफेक्शन जैसे चेहरे आदि में फोड़े यानी समर ब्वायल्स, चिकेन पॉक्स और खतरनाक हर्पीज से पीड़ित हैं। मधुमेह, विटामिन डी की कमी और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले रोगियों को ये रोग ज्यादा सता रहे हैं। पीएमसीएच के चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ। अभिषेक कुमार झा और डॉ। विकास शंकर ने बताया कि इस वर्ष तेज धूप और उमस भरी गर्मी लंबे समय तक रही। इससे पसीने के कारण होने वाले त्वचा संबंधी रोगियों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है।

एक ही वायरस से होता चिकेन पॉक्स व हर्पीज

डॉ। अभिषेक कुमार झा के अनुसार इस बीच मौसम कुछ ठंडा होने से चिकेन पॉक्स रोगियों की संख्या में कमी आयी है। आजकल हर ओपीडी में चिकेनपॉक्स के पांच से छह मरीज आ रहे हैं। वहीं जिस वायरस वेरिसेला जोस्टर से बच्चों को चिकेन पॉक्स होता है, उसी से बड़ों में खतरनाक हर्पीज होता है। इसके रोगियों की संख्या बढ़ी है। आजकल 5 से 6 प्रतिशत तक इसके मरीज आ रहे हैं।

जून के बजाय सावन में हो रहा समर ब्वायल्स

डॉ। विकास शंकर के अनुसार अप्रत्याशित रूप से अधिक समय तक तेज धूप व उमस भरी गर्मी के कारण त्वचा रोगियों की संख्या बढ़ी है। चेहरे पर फोड़े यानी समर ब्वायल्स का रोग सामान्यत: जून में होता था। इस बार यह

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054
For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in
Join us on https://twitter.com/IDSP_MSVC

अगस्त में हो रहा है। इसका कारण उमस के कारण निकलने वाला पसीना है। इसी कारण स्टेफिलोकोकल बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं और त्वचा लाल होने के बाद उसमें मवाद आ जाता है। करीब सात दिन में ये फोड़े गांठ बन जाते हैं। वहीं बच्चों में घमौरियों की समस्या सावन में खत्म होने के बजाय आजकल ज्यादा देखने को मिल रही है।

उमस भरी गर्मी में ऐसे बचें चर्म रोगों से

- उमस भरी गर्मी के कारण पसीना अधिक निकलता है, इसके दुष्प्रभावों से बचाव को सुबह-शाम स्नान करें।
- शरीर पर तेल का इस्तेमाल नहीं करें। यदि करना ही है तो नारियल का तेल लगाएं, चाहें तो देसी कपूर मिला सकते हैं।
- उमस वाली जगहों, बंद कमरों के बजाय हवादार जगह पर रहें।
- धूप में कम निकलें, जाना हो तो काले रंग का छाता लेकर जाएं।
- फुल आस्तीन के पतले सूती कपड़े पहनें। अंडर गार्मेंट भी गहरे रंग के बजाय सफेद या हल्के रंग के ही पहने।
- खूब पानी पिएं, साबुन न लगाएं या फिर न्यूट्रल पीएच का लगाएं।
- स्टेरायड युक्त कोई भी क्रीम बिना डॉक्टर के परामर्श के न लगाएं।
- फंगल इंफेक्शन होने पर एंटी फंगल पाउडर का इस्तेमाल करें।
- कीड़े काटने से फफोला होने पर ठंडे पानी से धोएं या बर्फ से सेंकें।
- बालों में तेल नहीं लगाएं। सप्ताह में दो बार शैंपू करें और बाल सूखें रखें।